भगवान नित्यानन्द की सिखावनियाँ

अपने अन्तर में गहरे जाओ

और ध्यान करो;

तुम सुखी हो जाओगे।

~ भगवान नित्यानन्द

बाबा मुक्तानन्द, गणेशपुरी निवासी भगवान नित्यानन्द, [चेन्नई : चित्शक्ति पब्लिकेशन्स, २०१२] पृष्ठ ११९

© २०१६ एस.वाय.डी.ए. फ़ाउण्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।